मिल जाये तरुवर की छायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे राम सूरज की गर्मी से जलते हुए तन को Bhajans Bhakti Songs

मिल जाये तरुवर की छायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है,
मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे राम सूरज की गर्मी से जलते हुए तन को
मिल जाये तरुवर की छायाभटका हुआ मेरा मन था कोई
मिल ना रहा था सहारा लहरों से लडती हुई नाव को जैसे,
मिल ना रहा हो किनाराउस लडखडाती हुई नाव को जो
किसी ने किनारा दिखायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है,
मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे रामसूरज की गर्मी से जलते हुए तन को
मिल जाये तरुवर की छायाशीतल बने आग चन्दन के जैसी
राघव कृपा हो जो तेरीउजयाली पूनम की हो जाये राते
जो थी अमावस अँधेरीयुग युग से प्यासी मुरुभूमि ने
जैसे सावन का संदेस पायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है,
मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे रामसूरज की गर्मी से जलते हुए तन को
मिल जाये तरुवर की छायाजिस राह की मंजिल तेरा मिलन हो
उस पर कदम मैं बढ़ाऊंफूलों मे खारों मे, पतझड़ बहारो मे

मैं ना कभी डगमगाऊँपानी के प्यासे को तकदीर ने
जैसे जी भर के अमृत पिलायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है,
मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे रामसूरज की गर्मी से जलते हुए तन को
मिल जाये तरुवर की छायाऐसा ही सुख मेरे मन को मिला है,
मैं जब से शरण तेरी आया, मेरे राम

Source: https://www.bharattemples.com/mil-jaaye-taruvar-kee-chhaaya-aisa-hee/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw